



प्रश्न(2) _____ ? (2 अंक स्तरीय प्रश्न)

उत्तर प्रवास से संबंधित दो अप्रतिकर्ष कारक :-

प्रवास से संबंधित प्रतिकर्ष कारक उन कारकों को कहा जाता है जिन कारणों से लोग अपने निवास स्थल को छोड़ने के लिए मजबूर हो जाते हैं।

प्रवास से संबंधित दो प्रतिकर्ष कारकों के नाम निम्नलिखित हैं-

i) रोजगार

ii) शिक्षा, स्वास्थ्य का अभाव



दूसरों की अनुपलब्धता
परिवहन आदि सुविधाओं

2

प्रश्न(3) _____ ? (2 अंक स्तरीय)

उत्तर: लिंग संरचना :->

लिंग संरचना से तात्पर्य किसी देश में पुरुष तथा स्त्रियों की संख्या से है। लिंग संरचना के अध्ययन से किसी भी देश के लिंगानुपात अर्थात् स्त्रियों तथा पुरुषों की संख्या के अनुपात ज्ञात किया जा सकता है।

लिंग संरचना जनसंख्या संघटन का एक प्रमुख घटक है। इसे इसका महत्व निम्न लिखित है-

- i) इससे देश/प्रांत आदि में स्त्रियों की संख्या का अनुपात ज्ञात किया जा सकता है।
- ii) इससे किसी भी क्षेत्र महिलाओं की संख्या का अनुपात तथा आर्थिक स्थिति का पता लगाया जा सकता है।



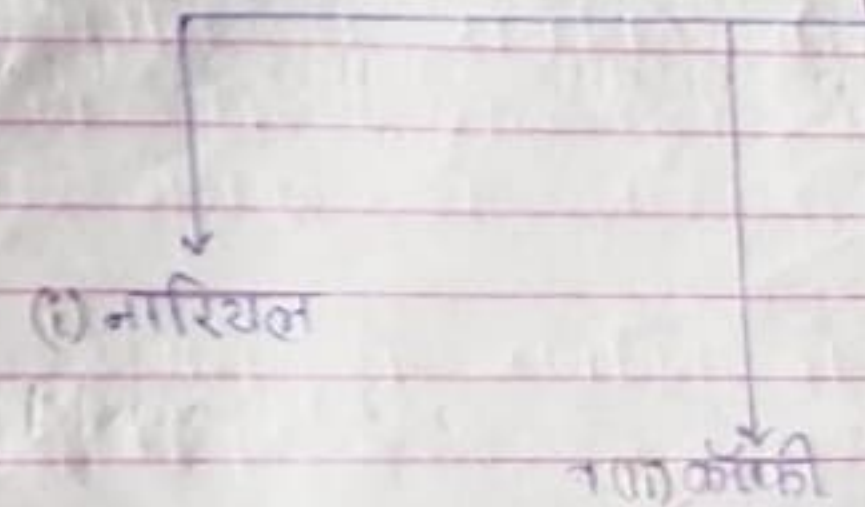
प्रश्न-4) _____ ? (2 अंक स्तरीय प्रश्न)

उत्तर: रोपण कृषि के चार फसलों के नाम :-

सैध व्यापारिक उद्देश्यों से कि जाने वाली कृषि नकदी फसलों के उत्पादन को रोपण कृषि कहते हैं। इसके चार फसलों

के नाम निम्नलिखित हैं-

रोपण कृषि के चार



प्रश्न (5)

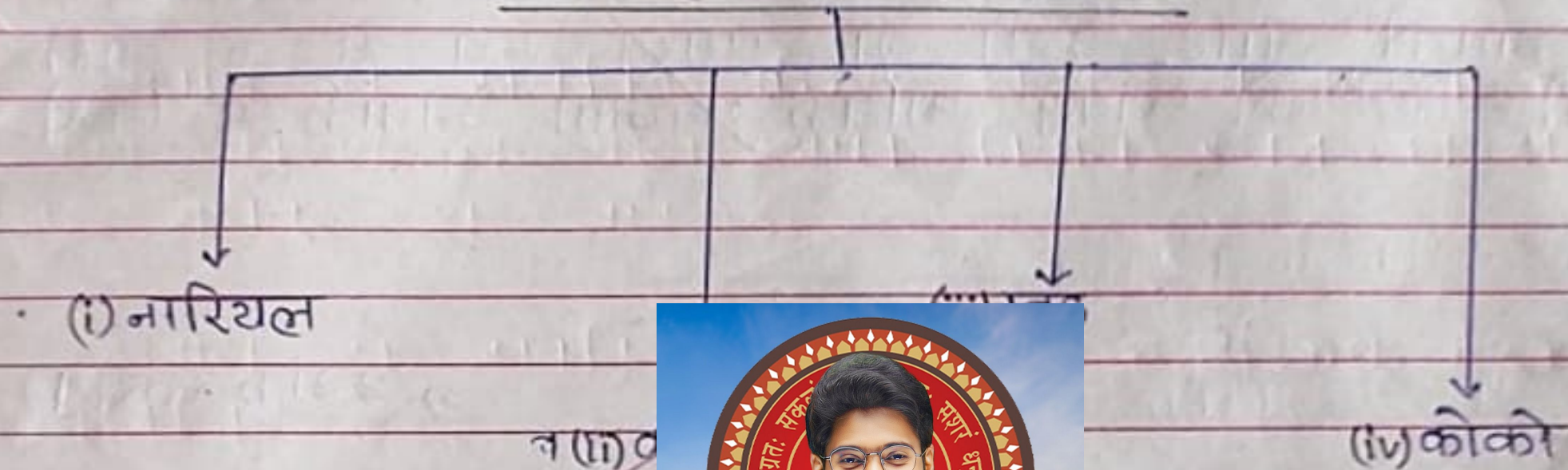
उत्तर सहकारी कृषि :-

जब कृषकों का एक समूह अपने-अपने उद्देश्यों से एक साथ काम करने के उद्देश्य से एक कृषि संस्था का गठन करता है, तो उसे सहकारी कृषि कहते हैं।



के नाम निम्नलिखित हैं-

रोषण कृषि के चार फसल



प्रश्न(5)

? (2 अंक स्तरीय)

उत्तर सहकारी कृषि :-

जब कृषकों का एक समूह कृषि से अधिकाधिक लाभ कमाने के उद्देश्य से एक सहकारी संस्था बनाती है तथा अपनी कृषि कार्य संचालित करते हैं तो उसे सहकारी कृषि कहते हैं।



इस कृषि में सहकारी संस्थाएँ कृषकों को कृषि संबंधी यंत्र खरीदने तथा उत्पादों को उचित मूल्यों पर बेचने में सहायता करती हैं। सहकारी कृषि डेनमार्क, नीदरलैंड, बेल्जियम जर्मनी आदि देशों में प्रमुख रूप से की जाती है। सहकारी कृषि को सबसे अधिक सफलता डेनमार्क में मिली है।

- (iii) यह कनाडा के विकास में है।
- (iv) यह कनाडा की आर्थिक के बाद कनाडा का हुआ है।

प्रश्न (9)

अंक स्तरीय)

उत्तर: पार-कैनेडियन रेलमार्ग की चार विशेषताएँ



पार-कैनेडियन रेलमार्ग कनाडा में महाद्विपीय रेलमार्ग (लम्बाई 7050 km) निम्नलिखित हैं-

क प्रमुख पार-र विशेषताएँ

- i) यह संपूर्ण कनाडा को एक द्वार से दूसरे द्वार (पश्चिम में वैंकुवर तथा पूर्व में हैलिफेक्स) से जोड़ती है।
- ii) यह पूर्ण रूप से विद्युतीकृत है।

प्रश्न (10)

उत्तर: वायु प्रदूषण के प्रमुख स्रोत

वायु में धूल, गुआँ, कुलों वाले अवांद्नीय परिवर्तन प्रमुख स्रोत निम्नलिखित हैं

- i) मोटरवाहनों से निकलने
- ii) उद्योगों से निकल प्रवाहित
- iii) ताप विजली घर से नि

कृषकों को कृषि संबंधी
मूल्यों पर बेचने
डेनमार्क, नीदरलैंड,
रूप से की जाती
डेनमार्क में मिली

2 (2 अंक स्तरीय)

स्थित एक प्रमुख पर-
इसकी चार विशेषताएँ

रे द्वार (पश्चिम में
ती है)

7
iii) यह कनाडा के विकास में अमूल्य योगदान प्रदान करती
है।

iv) यह कनाडा की आर्थिक धमनी है क्योंकि इसके निर्माण
के बाद कनाडा का तेज से गति से आर्थिक विकास
हुआ है।

प्रश्न (10) - - - - - ? (2 अंक स्तरीय प्रश्न)

उत्तर: वायु प्रदूषण के



वायु में हुए
वाले अवांछनीय
प्रमुख स्रोत निम्नलिखित हैं -
सा, दुर्गंध आदि के मिलने से होने
को वायु प्रदूषण कहते हैं। इसके

i) मोटरवाहनों से निकलने वाला धुआँ (SO₂, CO)

ii) उद्योगों से निरंतर प्रवाहित हानिकारक गैरी तथा धुआँ (CFCl₄)

iii) ताप बिजली घर से निकलने वाले भारी मात्रा में धुएँ



तथा राख

(iv) खादानों (खनन क्रिया के दौरान) से निकलने वाले धूल-कण

प्रश्न - (15) _____ ? (2 अंक स्तरीय) 2

उत्तर: ऊर्जा के नवीकरणीय स्रोत :-

ऊर्जा के नवीकरणीय स्रोत ऊर्जा स्रोतों को कहा जाता है जिनका कितना जाए वो समाप्त नहीं सकते हैं -

उदाहरण: सौर ऊर्जा, ताप ऊर्जा, ज्वारीय ऊर्जा, पवन ऊर्जा

ऊर्जा के अनवीकरणीय स्रोत :-

ऊर्जा के अनवीकरणीय स्रोत ऊर्जा के उन स्रोतों को कहते हैं जिसे एक प्रयोग करने पर वो समाप्त हो जाते हैं अथवा इनके पुनर्निर्माण में लाखों वर्ष लगते हैं।



के वैसे क्रिया

उदाहरण - कोयला, पेट्रोलियम, प्राकृतिक

प्रश्न (16) - - - - -

उत्तर: गुजरात के चार प्रमुख सूती वस्त्र

गुजरात भारत में सूती वस्त्र दूसरा सबसे बड़ा राज्य है। उद्योग केंद्रों के नाम निम्नलि

- i) अहमदाबाद
- ii) वामनगर
- iii) भड़ौच
- iv) भावनगर



उदाहरण - कोयला, पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस, नाभिकीय ऊर्जा

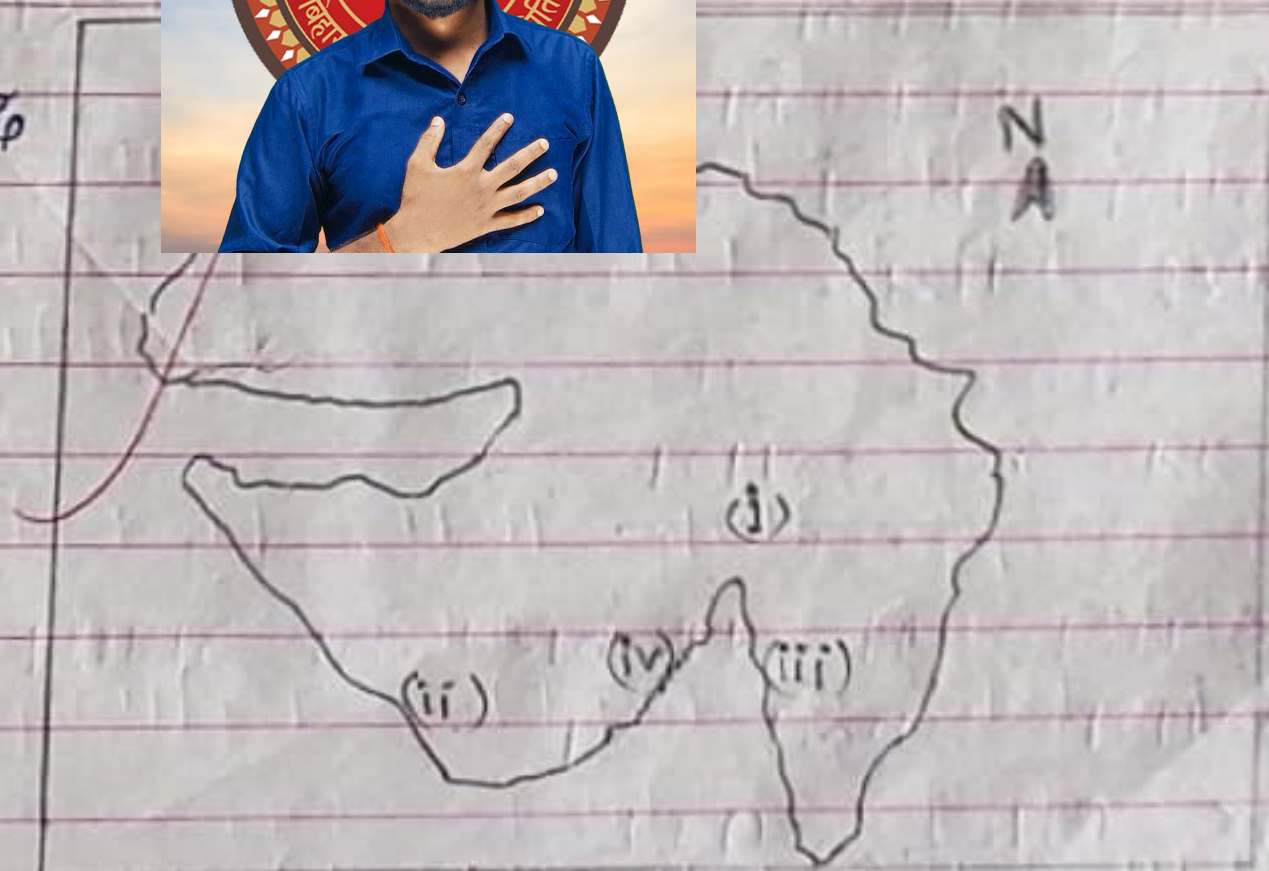
(2)

प्रश्न (16) - - - - - (2 अंक स्तरीय प्रश्न)

उत्तर: गुजरात के चार प्रमुख सूती वस्त्र उद्योग केन्द्रों के नाम :-

गुजरात भारत में दूसरा सबसे बड़ा उद्योग केन्द्रों के नाम उत्पादन करने वाला चार प्रमुख सूती वस्त्र उद्योग केन्द्र हैं-

- i) अहमदाबाद
- ii) जामनगर
- iii) भड़ौच
- iv) भावनगर



गुजरात के प्रमुख सूती वस्त्र उद्योग केन्द्र

(2)



प्रश्न(17) — — — — — ? (2 अंक स्तरीय प्रश्न)

उत्तर: स्वामीत्व के आधार पर उद्योगी :-

स्वामीत्व के आधार पर उद्योग तीन प्रकार के होते हैं-

निजी क्षेत्र के उद्योग :-

वैसे उद्योग जिनका स्वामित्व तथा विशेष या निजी निवेशको के अधीन हो को निजी उद्योग कहते हैं।
जैसे - रिलायंस, वीप्रो

सार्वजनिक क्षेत्र के उद्योग :-

वैसे उद्योग जो सरकार के अधीन हो, उन्हें सार्वजनिक क्षेत्र के उद्योग कहते हैं।
जैसे - ONGC, BHEL, SAIL



संयुक्त क्षेत्र के उद्योग :-

वैसे उद्योग जिनका सार्वजनिक क्षेत्र के उद्योगों के साथ ही जो ऐसे उद्योगों की संरचना में - नवीनगर पावर लिमिटेड, भारती कार उद्योग

प्रश्न(22) — — — — —

उत्तर: अनाधिकारीय संक्रमण सिद्धांत :-

अनाधिकारीय संक्रमण सिद्धांत में डॉ. ल. थॉमसन ने किरा देने का श्रेय नोबेल प्रीमियम को

[दीर्घ उत्तर
3 अंक]

संयुक्त क्षेत्र के उद्योग :-

वैसे उद्योग जिनका संचालन निजी निवेशकों तथा सार्वजनिक क्षेत्र के ऊ० कंपनियों के संयुक्त प्रयासों द्वारा होता है तो ऐसे उद्योग को संयुक्त क्षेत्र के उद्योग कहते हैं। जैसे - नवीनगर पावर जेनरेटिंग कॉर्पोरेशन प्राइवेट लिमिटेड, भारतीय कार उद्योग



प्रश्न
रीय

प्रश्न-(22)

? (उ० अंक स्तरीय प्रश्न)

उत्तर : जनांकिकीय संक्रमण सिद्धांत :->

जनांकिकीय संक्रमण सिद्धांत का प्रतिपादन सन् 1929 में W.L. थॉमसन ने किया था परन्तु इसे वैज्ञानिक स्वरूप देने का श्रेय नोएस्टीन को जाता है।

(2 अंक स्तरीय प्रश्न)

कार के होते हैं-

9

जन किसी व्यक्ति के वैसे उद्योगों

उन्हे सार्वजनिक



इस सिद्धांत के अनुसार जैसे-जैसे कोई समाज ग्रामीण औद्योगिक तथा निरक्षर अवस्था से उन्नति कर नगरीय/ औद्योगिक तथा साक्षर बनता है जैसे-जैसे वह समाज उच्च जन्म दर और उच्च मृत्यु दर से निम्न जन्म दर में परिवर्तित होते जाता है। कोई भी समाज अद्यत देश अविकसित से विकसित अवस्था में पहुंचने से पहले जनांकिकीय संक्रमण सिद्धांत की तीन अवस्थाओं से होकर गुजरता है। इसके तीन अवस्था निम्न लिखित हैं-

i) प्रथम अवस्था :-

इस अवस्था में निरक्षरता के कारण किसी भी प्रकार के स्वास्थ्य संबंधी तथ्यों के कारण उच्च मृत्यु दर बनी रहती है। फलस्वरूप इस अवस्था में जनसंख्या वृद्धि बहुत धीमी होती है।



200 वर्ष पूर्व विश्व के अधिकांश देश इसी अवस्था में थे। बांग्लादेश के वर्षा वन क्षेत्र के आदिवासी आज भी इसी अवस्था में हैं।

ii) द्वितीय अवस्था :-

इस अवस्था में प्रारंभ में के अनुसार धीरे-धीरे उन्नति संबंधी सुविधाओं आदि के विकास धीरे-धीरे आती है। तथा फलस्वरूप जनसंख्या बहुत तेजी से बढ़ती

जनसंख्या विस्फोट की घटना बांग्लादेश, नाइजीरिया तथा दक्षिण में इसी अवस्था में है।

iii) तृतीय अवस्था :-

इस अवस्था में स्वास्थ्य विकास तथा संपूर्ण साक्षरता दर तथा जन्म दर दोनों घट

फलस्वरूप जनसंख्या वृद्धि गति से बढ़ती है। ऐसी स्थिति कार्यक्रमों को आसानी से करती है।



इस अवस्था में प्रारंभ में उच्च जनम दर होती जो समय के अनुसार धीरे-धीरे घटने लगती है। इस अवस्था में स्वास्थ्य संबंधी सुविधाओं आदि के विकास के कारण मृत्यु दर धीरे-धीरे घटने लगती है। तथा फलस्वरूप इस अवस्था में प्रारंभ में जनसंख्या बहुत तेजी से बढ़ती है।

जनसंख्या विस्फोट की घटना इसी अवस्था में होती है। बांग्लादेश, नाइजीरिया, अफ्रीका के कुछ देश वर्तमान में इसी अवस्था में हैं।



iii) तृतीय अवस्था :

इस अवस्था में विकास तथा श्रम पूर्ण साक्षरता के कारण उस देश की मृत्यु दर तथा जनम दर दोनों थोड़े स्थिर हो जाते हैं।

फलस्वरूप जनसंख्या वृद्धि या तो स्थिर हो जाती या मंद गति से बढ़ती है। ऐसी इस जनसंख्या परिवार नियोजन जैसे कार्यक्रमों को अपनाती है तथा जनसंख्या वृद्धि को संतुलित करती है।

जैसे समाज ग्रामीण
कर नगरीय /
ह समाज ऊ
से निम्न जनम
समाज अथवा
से पहले जनो-
होकर गुजरता

जनम दर तथा
की अनुपलब्धता
स्वरूप इस
है।

इसी अवस्था में
आज भी

विश्व के कुछ महत्वपूर्ण विकसित देश इसी अवस्था में हैं।
जैसे - अमेरिका, आस्ट्रेलिया तथा जापान

प्रश्न (25) — — — — — ? (5 अंक स्तरीय प्रश्न)

उत्तर भारत में खनिज तेल क्षेत्रों का वितरण :-

भारत में खनिज तेल मुख्यतः 'चक्राओ' में पाया जाता है यह लिए कच्चा माल के साथ गैसों मोम, साबुन, पेट्रो-रसायनिक वस्तुओं कि जाती है भारत में सबसे पहले 1890 ई. में असम के डिगबाई में अचिकोश खनिज तेल अच टर्शियरी युग की शैल संरचनाओं में पाया जाता है।



युग की शैल संरचनाओं के किरासन तेल, निर्माण में उपयोग लियम का निष्का

भारत में 5 प्रमुख तेल उत्पादक क्षेत्र हैं जो निम्नलिखित हैं -

उत्तर-पूर्वी क्षेत्र :-

इस क्षेत्र के अंतर्गत असम तथा अजणायन प्रदेश का क्षेत्र आता है।

गुजरात का मैदान :-

इस क्षेत्र के अंतर्गत गुजरात राज्य के कालीन

मुंबई हाई :-

यहाँ भारत का सबसे बड़ा तेल क्षेत्र मुंबई नगर से मिलता है।

पूर्वी बेसीन :-

इसके अंतर्गत असम



इस इसी अवस्था में हैं

5
? (5 अंक स्तरीय प्रश्न)

चिरी युग की शैल संर-
तेल कई उद्योगों के
डिजल, किरासन तेल,
दि के निर्माण में उपयोग
पेट्रोलियम का निष्का-
हुआ था। भारत के
युग की शैल संरच-

हैं जो निम्नलिखित

उत्तर-पूर्वी क्षेत्र :-

15



उत्तर-पूर्वी क्षेत्र :-

इस क्षेत्र के अंतर्गत असम का डिब्रुगढ़, नहरकाटिया, मोरांग,
तथा अरुणाचल प्रदेश का निगल और नागालैण्ड का खोलेला
क्षेत्र आता है।

गुजरात का मैदान :-

इस क्षेत्र के
गुजरात राज्य के
हैं।



रात के निकट खंभात खाड़ी तथा
ल, महेसाणा, कीसांब तेल क्षेत्र आते

मुंबई हाई :-

यहाँ भारत का सबसे बड़ा अधिक तेल उत्पादन होता है यह
तेल क्षेत्र मुंबई नगर से 160 किमी. पश्चिम में अरब-सागर
में स्थित है।

पूर्वी बेसिन :-

इसके अंतर्गत कृष्णा तथा कावेरी नदियों के बेसिन आते

हैं।

बाइमेर क्षेत्र :-

इस क्षेत्र के अंतर्गत राजस्थान के बाइमेर क्षेत्र का मंगला तेल उत्पादक क्षेत्र आता है।

■ भारत के तेल उत्पादक क्षेत्र

बाइमेर क्षेत्र

1

गुजरात का मैदान

2

मुंबई हाई

3

पूवी बेसिन

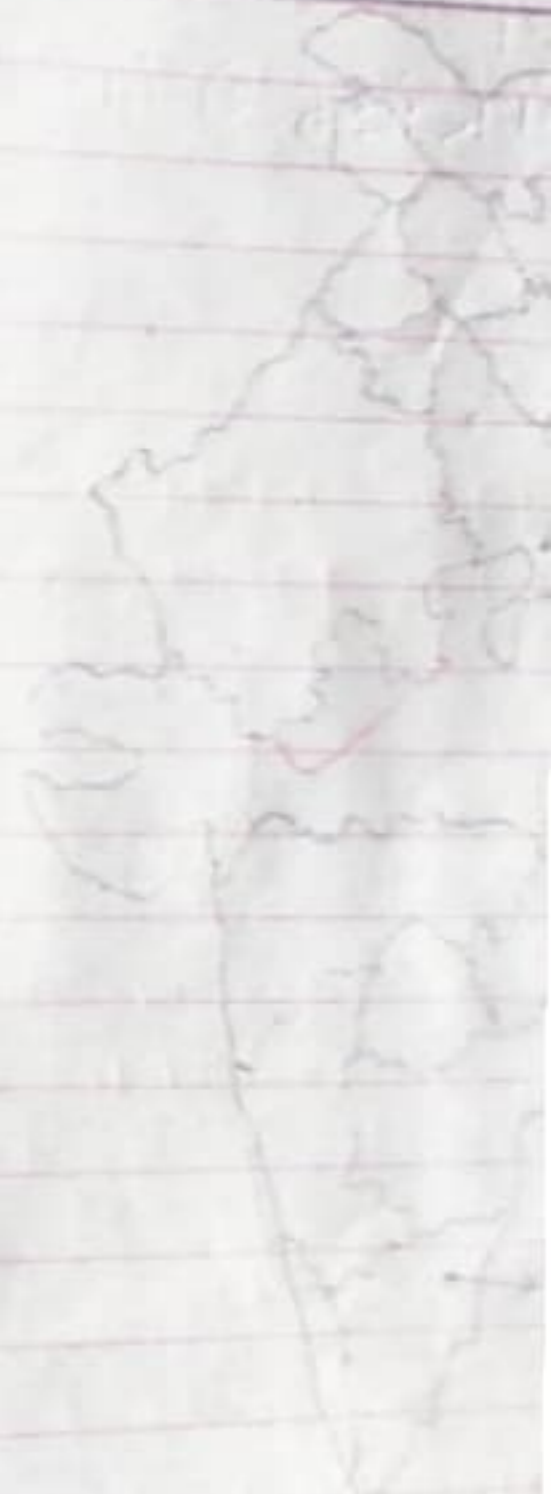
4



पूवी क्षेत्र

प्रश्न (26)

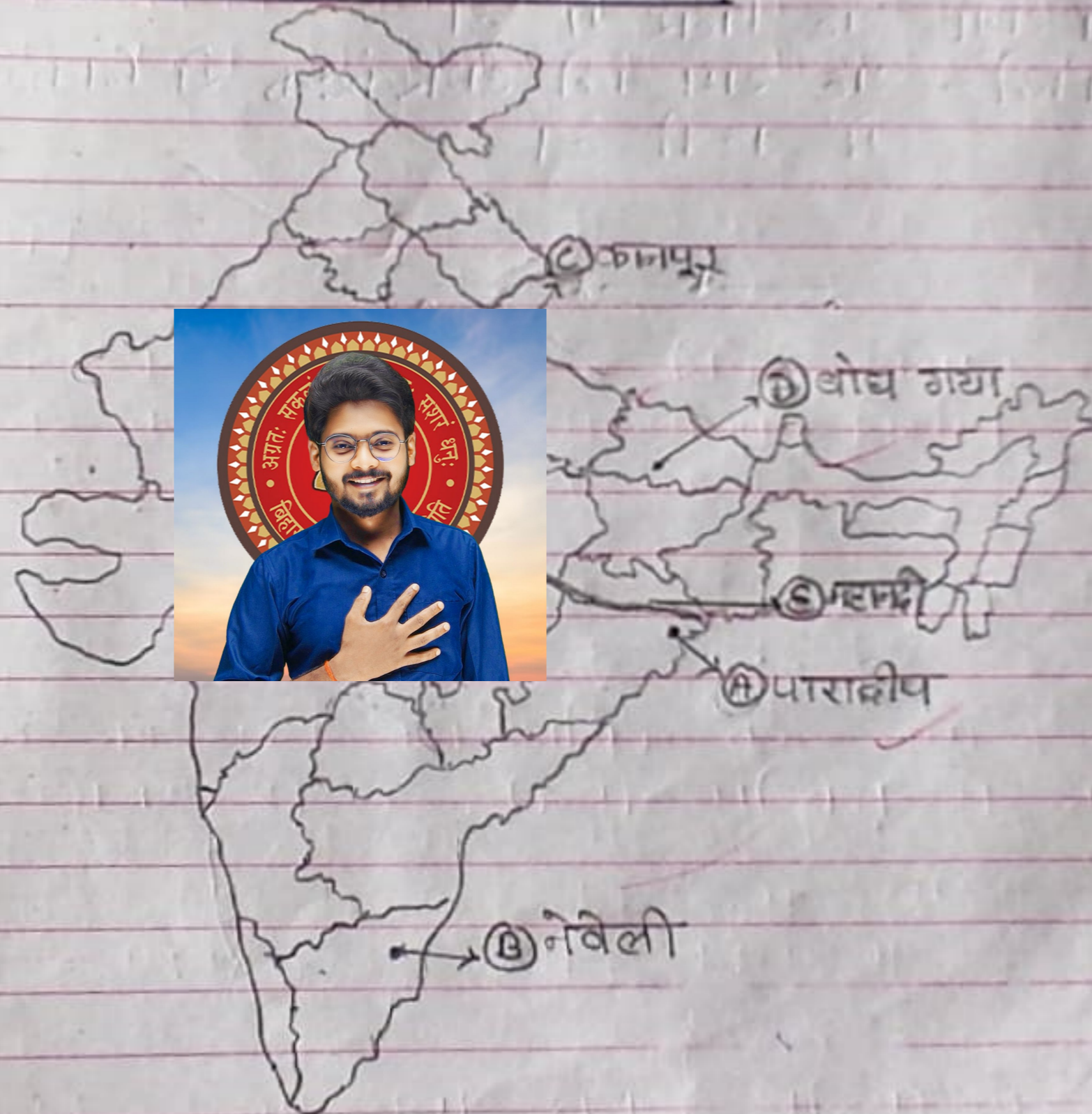
उत्तर भारत के मानचित्र पर निम्न क्षेत्र क



प्रश्न (26)

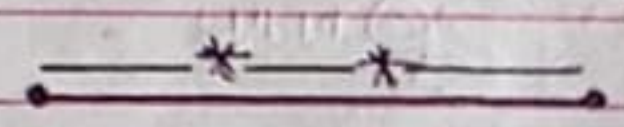
? (5 अंक स्तरीय प्रश्न)

उत्तर भारत के मानचित्र पर निम्न क्षेत्र का प्रदर्शन :-





- (A) पारादीप - यह उड़ीसा में है।
- (B) नेवेली - यह तमिलनाडू में है।
- (C) कानपुर - यह उत्तर प्रदेश में है।
- (D) बोध गया - यह बिहार में है।
- (E) महानदी - यह अमन नदी अमरकंटक से निकलती उड़ीसा में बहती है।



उत्तर	1	20
	(C)	(A)
	2	(A)
	3 (D)	(D)
	4 (D)	
	5	
	6 (A)	
	7	
	8 (A)	(A)
	9 (D)	
	10 (D)	(D)
	11 (D)	
	12 (C)	(A)
	13	
	14	(C)
	15 (B)	
	16 (A)	(A)
	17 (C)	
	18 (D)	(D)
	19 (D)	
		38

कु से निकलती उडीसा

खण्ड-अ (Objective)

उत्तर .	1	(C)	20	(A)	39	(B)	58
	2		21	(A)	40		59 (D)
	3	(D)	22	(D)	41		60
	4	(D)	23		42		61
	5		24		43		62
	6	(A)	25		44 (D)		63 (B)
	7				45 (C)		64
	8	(A)			46 (A)		65
	9	(D)			47 B		66
	10	(B)			48 (D)		67
	11	(D)			49 (C)		68
	12	(C)			50		69
	13				51 (B)		70
	14		33	(C)	52		
	15	(B)	34		53		
	16	(A)	35	(A)	54		
	17	(C)	36		55 (A)		
	18	(D)	37	(A)	56 (C)		
	19	(D)	38		57 (D)		

